जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :डॉ. शेखर सिंह बघेल
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 47
दिनांक 17.02.2023

जनेकृविवि के वैज्ञानिकों के समर्पण व कर्त्तव्य निष्ठा से उत्तरोत्तर उन्नति प्रगति सम्भव–कुलपति डॉ. पी.के. मिश्रा

16वें दीक्षांत समारोह के बेहतर कार्यो के सम्पादन हेतु कुलपति ने सभी कमेटी सदस्यों को दी बधाई

जबलपुर 17 फरवरी, 2023। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय,जबलपुर के 16वें दीक्षांत समारोह के शानदार समापन पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में धन्यवाद कार्यक्रम का आयोजन संचालक विस्तार सेवायें के सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुलपति डॉ. पी.के. मिश्रा ने सभी समितियों के चेयरमेन व को–ऑर्डिनेटर व सदस्यों के कार्यो की भूरि–भूरि प्रशंसा की, साथ ही कहा कि हमारे सभी वैज्ञानिकों के विश्वविद्यालय के प्रति समर्पण व कर्त्तव्य निष्ठा के परिणाम स्वरूप ही विश्वविद्यालय की उत्तरोत्तर प्रगति व उन्नति सम्भव हैं, आप सभी के सर्वोत्तम कार्यो के कारण आज विश्वविद्यालय के 16वें दीक्षांत समारोह की चहुंओर प्रशंसा की गई है।

16वें दीक्षांत समारोह के धन्यवाद कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री रेवासिंह सिसोदिया ने कुलसचिव कार्यालय के कार्यो की प्रशंसा करते हुये सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। विश्वविद्यालय के लेखानियंत्रक श्री व्ही.एन.बाजपेयी ने कार्यक्रम के शानदार आयोजन की बधाई दी।

कार्यक्रम के प्रारंभ में 16वें दीक्षांत समारोह की झलकियों की 5 मिनट की वीडियों क्लिप का प्रदर्शन के साथ ही कार्यक्रम का संचालन सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी डॉ. शेखर सिंह बघेल व कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन उपकुलसचिव डॉ. टी.आर.शर्मा द्वारा किया गया। इस दौरान अधिष्ठाता कृषि अभियांत्रिकी संकाय डॉ. अतुल श्रीवास्तव, अधिष्ठाता उद्यानिकी संकाय डॉ. एस.के. पांडे, संचालक अनुसंधान सेवायें डॉ. जी.के. कौतू, संचालक विस्तार सेवाएं, डॉ. दिनकर प्रसाद शर्मा, कुलसचिव श्री रेवासिंह सिसोदिया, लेखानियंत्रक श्री व्ही.एन. बाजपेयी, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, जबलपुर डॉ. पी.बी. शर्मा, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अमित शर्मा, मुख्य कार्यपालन यंत्री श्री एस. एस. गौर, उपलेखानियंत्रक डॉ. अजय खरे, सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी डॉ. शेखर सिंह बघेल के अलावा सभी समितियों के अध्यक्ष,सदस्य व विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक, वैज्ञानिक, अधिकारी, कर्मचारियों की उपस्थिति रही।